BACKGROUNDERS
Press Information Bureau
Government of India

भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात को मिली गति

गैर-स्मार्टफोन उत्पाद विकास के एक मजबूत इंजन के तौर पर उभर रहे हैं

नवंबर 19, 2026

अप्रैल-सितंबर 2026-27 के दौरान भारत के इलेक्ट्रॉनिक सामान निर्यात 44% **बढ़कर 31.97 अरब अमेरिकी डॉलर** तक पहुंच गया। स्मार्टफोन निर्यात का सबसे बड़ा हिस्सा बना रहा, जिसका निर्यात 35.8% बढ़कर **18.17 अरब अमेरिकी डॉलर** हो गया। गैर-स्मार्टफोन इलेक्ट्रॉनिक्स में 56.5% की बड़ी तेजी दर्ज की गई, जिससे इसका निर्यात **13.79 अरब अमेरिकी डॉलर** तक पहुंच गया और कुल इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात में इसकी हिस्सेदारी बढ़कर 43.2% हो गई। प्रमुख उत्पादों में प्रिंटेड सर्किट बोर्ड, नेटवर्क ट्रांसमिशन उपकरण, मेमोरी इंटीग्रेटेड सर्किट और स्टोरेज उपकरण शामिल थे। सिंगापुर, चीन, हॉन्ग कॉन्ग और मलेशिया जैसे बाजारों में इन क्षेत्रों में मजबूत निर्यात तेजी भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात बास्केट के विस्तार और वैश्विक बाजारों में इसकी बढ़ती उपस्थिति को दर्शाती है।

इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात में आई बड़ी तेजी

अप्रैल-सितंबर 2026-27 के दौरान भारत के इलेक्ट्रॉनिक सामानों के निर्यात में बड़ी तेजी जारी रही और यह **44.0%** बढ़कर **22.20 अरब अमेरिकी डॉलर से 31.97 अरब अमेरिकी डॉलर** तक पहुंच गया। हालांकि, स्मार्टफोन इलेक्ट्रॉनिक निर्यात में सबसे बड़ा हिस्सा बने रहे, लेकिन इस अवधि



में **गैर-स्मार्टफोन इलेक्ट्रॉनिक्स में उल्लेखनीय तौर पर तेज बढ़ोतरी** देखी गई। यह दर्शाता है कि भारत का इलेक्ट्रॉनिक निर्यात आधार अब घटकों, सर्किट बोर्ड, संचार उपकरण, मेमोरी उत्पादों और भंडारण उपकरणों सहित कई क्षेत्रों में विस्तारित हो रहा है।

गैर-स्मार्टफोन इलेक्ट्रॉनिक्स से निर्यात विविधीकरण को मिली मजबूती

गैर-स्मार्टफोन इलेक्ट्रॉनिक्स सेगमेंट से विशेष रूप से मजबूत प्रदर्शन देखने को मिला, जहां निर्यात में **56.5% की तेजी आई और यह 8.81 अरब अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 13.79 अरब अमेरिकी डॉलर** हो गया। इसके चलते, **भारत के कुल इलेक्ट्रॉनिक सामान निर्यात में इस सेगमेंट की हिस्सेदारी 39.7% से बढ़कर 43.2%** हो गई, जो इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात बास्केट में बढ़ती विविधता को प्रतिबिंबित करती है।

यह तेजी कई प्रमुख वस्तुओं के शेयरों में आई बड़ी तेजी की वजह से थी।

पुर्जे और सहायक उपकरण - माउंटेड प्रिंटेड सर्किट बोर्ड

निर्यात **63.3 मिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 2.10 अरब अमेरिकी डॉलर** हो गया, जिसमें **3219%** की बढ़ोतरी हुई, और सिंगापुर 1.87 अरब अमेरिकी डॉलर के साथ प्रमुख गंतव्य के रूप में उभरा, जिसके बाद चीन 111.5 मिलियन अमेरिकी डॉलर के साथ दूसरे स्थान पर रहा।

बड़ी संख्या में, लोडेड या भरे हुए प्रिंटेड सर्किट बोर्ड

निर्यात में भी जबरदस्त तेजी आई, जो **213.7 मिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 864.1 मिलियन अमेरिकी डॉलर** हो गया, यानी **304%** की तेजी दर्ज की गई। चीन **789.2 मिलियन अमेरिकी डॉलर के साथ सबसे बड़ा बाजार** रहा, जबकि हॉन्ग कॉन्ग को निर्यात 5.9 मिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 25.3 मिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया।

नेटवर्क ट्रांसमिशन और रूटिंग उपकरण

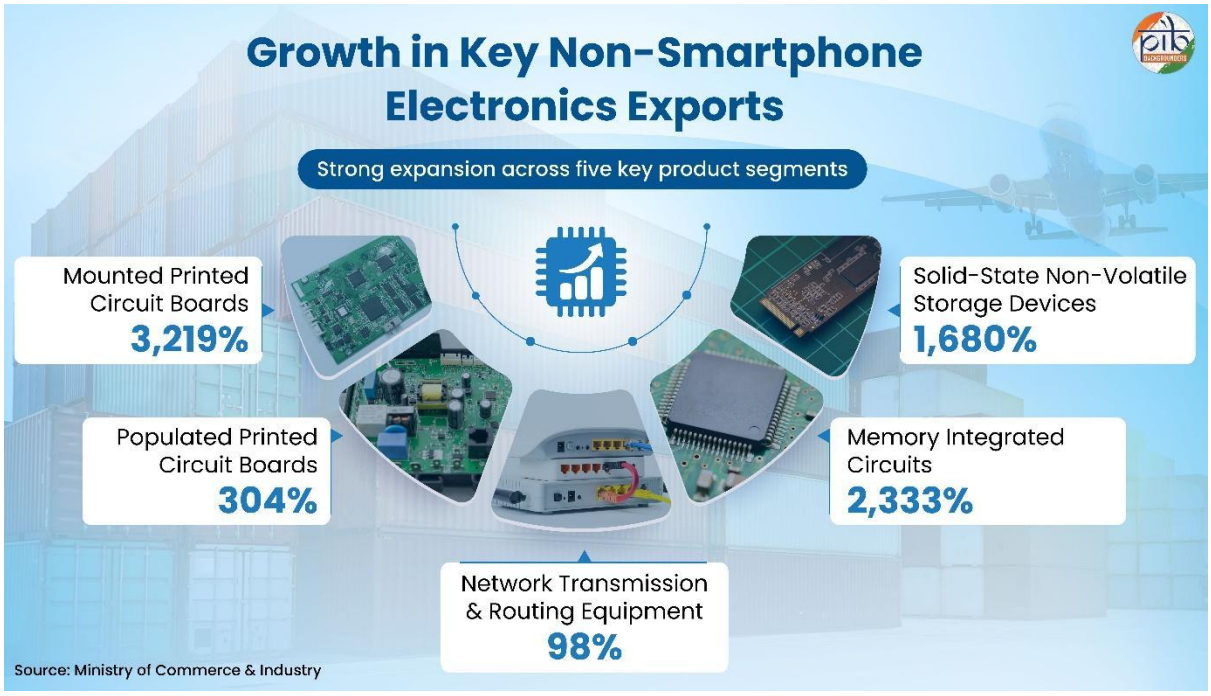
निर्यात **लगभग दोगुना होकर 732.9 मिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 1.45 अरब अमेरिकी डॉलर** हो गया, जो **98%** की वृद्धि दर्शाता है। इस तेजी में **हॉन्ग कॉन्ग** का योगदान सबसे अधिक रहा, जहां निर्यात **264.7 मिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 857.7 मिलियन अमेरिकी डॉलर** हो गया। संयुक्त राज्य अमेरिका और नीदरलैंड भी महत्वपूर्ण बाजार रहे, जहां निर्यात क्रमशः 130.9 मिलियन अमेरिकी डॉलर और 124.4 मिलियन अमेरिकी डॉलर रहा।

मेमोरी इंटीग्रेटेड सर्किट

निर्यात में खास तौर पर तेजी देखी गई, जो मात्र **23.1 मिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 562.4 मिलियन अमेरिकी डॉलर** हो गया, यानी **2333%** की तेजी आई। मलेशिया 390.8 मिलियन अमेरिकी डॉलर के साथ सबसे बड़ा गंतव्य बनकर उभरा, उसके बाद सिंगापुर 102.4 मिलियन अमेरिकी डॉलर और हॉन्ग कॉन्ग 25.2 मिलियन अमेरिकी डॉलर के साथ दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे।

सॉलिड-स्टेट नॉन-वोलेटाइल स्टोरेज डिवाइस

निर्यात में भारी तेजी दर्ज की गई, जो **14.6 मिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 260.5 मिलियन अमेरिकी डॉलर** हो गया, यानी इसमें **1680%** की तेजी आई। चीन ने निर्यात में अग्रणी भूमिका निभाई, जिसका निर्यात 108.6 मिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया। इसके बाद सिंगापुर का स्थान रहा, जिसका निर्यात 76.8 मिलियन अमेरिकी डॉलर, हॉन्ग कॉन्ग का 22.3 मिलियन अमेरिकी डॉलर और संयुक्त राज्य अमेरिका का 20.7 मिलियन अमेरिकी डॉलर रहा।



स्मार्टफोन निर्यात में वृद्धि

भारत के स्मार्टफोन निर्यात में **अप्रैल-सितंबर 2025-26 में 13.38 अरब अमेरिकी डॉलर से बढ़कर अप्रैल-सितंबर 2026-27 में 18.17 अरब अमेरिकी डॉलर** की तेजी दर्ज की गई, जो 35.8% की मजबूत वृद्धि दर्शाती है।

भारत के **इलेक्ट्रॉनिक सामानों के निर्यात में स्मार्टफोन की हिस्सेदारी सबसे अधिक** रही, हालांकि यह 60.3% से घटकर 56.8% हो गई। यह गिरावट इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात के अन्य सेक्टर में और भी मजबूत वृद्धि के बीच आई है।

वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स व्यापार में भारत की स्थिति मजबूत हुई

कुल मिलाकर, ये रुझान **इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात की व्यापक और तेजी से विविधतापूर्ण** हो रहे क्षेत्र की ओर इशारा करते हैं। स्मार्टफोन निर्यात के मामले में एक मजबूत आधार बने हुए हैं, जिनका निर्यात 18.17 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया है, जबकि **गैर-स्मार्टफोन इलेक्ट्रॉनिक्स तेजी से विस्तार कर रहे हैं और समूचे इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात में अपना योगदान** बढ़ा रहे हैं।

प्रिंटेड सर्किट बोर्ड, संचार उपकरण, मेमोरी और **सॉलिड-स्टेट स्टोरेज डिवाइस** में तेज वृद्धि, साथ ही सिंगापुर, चीन, हॉन्ग कॉन्ग और मलेशिया जैसे बाजारों में विस्तार, भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात की गति में गैर-स्मार्टफोन उत्पादों के बढ़ते योगदान को उजागर करता है।

संदर्भ

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

पीआईबी शोध

****

पीके/केसी/आरटी/एमएम